भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3167
दिनांक 21 दिसम्बर, 2023

कच्चे तेल की मांग

†3167. श्री सुमेधानन्द सरस्वती:
श्रीमती रंजीता कोली:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) कौन से कारक भारत को ऊर्जा और कच्चे तेल का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बनाने में योगदान करते हैं; और

(ख) यह मांग देश की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को किस प्रकार प्रभावित करती है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) से (ख) अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) द्वारा प्रकाशित इंडिया एनर्जी आउटलुक, 2021 के अनुसार, भारत विश्व में ऊर्जा एवं कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। विभिन्न कंपनियों द्वारा इसका आंकलन किया गया है कि भारत द्वारा ऊर्जा की बढ़ती खपत के मुख्य घटकों में पिछले कई वर्षों में हुई संधारणीय आर्थिक संवृद्धि शामिल है जिसके कारण औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, परिवहन संबंधी आवश्यकताएँ, बुनियादी विकास, आय में बढ़ोत्तरी, संवर्धित जीवन स्तर, आधुनिक ऊर्जा पर बढ़ती पहुँच के साथ निजी खपत में वृद्धि तथा सकल नियत पूँजी निर्माण, इत्यादि भी हुआ है।

ऊर्जा सुरक्षा में सुधार करने के निमित्त सरकार ने एक बहुउद्देश्यीय कार्यनीति अपनाई है जिसमें तेल और गैस का घरेलू उत्पादन बढ़ाना, ऊर्जा दक्षता और संरक्षण सम्बन्धी उपायों को बढ़ावा देना, माँग प्रतिस्थापन पर जोर देना, जैव ईंधन और अन्य वैकल्पिक ईंधनों/नवीकरणीयों को बढ़ावा देना, ईवी चार्जिंग सुविधाएँ और रिफाइनरी प्रक्रिया में सुधार करना शामिल है। इसके अलावा, सरकार ने देश में जैवईंधनो की उपलब्धता एवं एथेनॉल मिश्रण, जैव डीजल मिश्रण एवं किफायती परिवहन के लिए दीर्घकालिक विकल्प योजनाओं के माध्यम से एथेनॉल, जैवडीजल और जैव-सीएनजी जैसे वैकल्पिक स्वच्छ ईंधनों के उपयोग को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय जैवईंधन नीति, 2018 की शुरूआत की है। सरकार ने वृद्धि संवर्धन नीतियों जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ कैपेक्स आधारित संवृद्धि कार्यनीति, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में व्यापक सुधार, मु ास्फीति नियंत्रण, माल एवं सेवा कर सुधार, कॉप रेट कर दर में कटौती, मेक इन इंडिया और स्टार्ट अप इंडिया कार्यनीति तथा उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाएँ इत्यादि शामिल हैं, के माध्यम से आर्थिक स्थिरता के निमित्त विभिन्न पहलें भी की हैं।

***